

**व्यवसायिक प्रशिक्षण**

२४५. श्री कृष्णकान्त व्यास : क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) १९५१-५२, १९५२-५३ और १९५३-५४ में विभिन्न व्यवसायिक प्रशिक्षण स्कूलों में कितनी स्त्रियों को प्रशिक्षा दी गई; और

(ख) वे व्यवसाय कौन से हैं जिनमें इन स्त्रियों को प्रशिक्षा दी गई थी ?

**f [VOCATIONAL TRAINING**

245. SHRI KRISHNAKANT VYAS: "Will the Minister for LABOUR be pleased to state."

(a) the number of women trained in the various vocational training schools during the years 1951-52, 1952-53 and 1953-54; and

(b) the names of the different trade\* in which these women were trained?]

**श्रम मंत्री (श्री खंडू भाई देसाई): (अ)**

**वर्ष** **शिक्षित महिलाओं की संख्या**

१९५१-५२	२७४
१९५२-५३	३४०
१९५३-५४	३८४
<b>कुल</b>	<b>९९८</b>

**(ब) काम धंधों की सूची निम्न लिखित हैं :**

१. ऊनी, सूती तथा रेशमी सजावटी कपड़ों की हाथ की बुनाई,
२. हाथों द्वारा मशीनों से बुनाई,
३. कपड़ों की रंगाई, धुलाई तथा छपाई,
४. साड़ी नार्डर, रिबन तथा गोटों की बुनाई,
५. निवार, टप, दरी तथा गलीचों की हाथों से बुनाई,
६. कशीदा और सिलमे की हाथ से कढ़ाई,
७. खेलों के सामान का बनाना,
८. शीशों के मोती बनाना,

६. इंग्लिश शार्ट हैंड और टाइप राइटर,

१०. हिन्दी शार्ट हैंड और टाइप राइटर,

११. कटाई और सिलाई,

१२. फलों और सब्जियों को सुरक्षित रखना तथा मुरब्बों आदि के बनाने का ढंग।

[THE MINISTER FOR LABOUR (SHRI KHANDUBHAI DESAI) :

(a)	Year	No. of women trained
	1951-52	274
	1952-53	340
	1953-54	384
	<b>TOTAL</b>	<b>998</b>

(b) A list of the trades is given below:

1. Hand weaving of fancy furnishing fabrics with cotton, wool and silk.
2. Knitting with hand machines.
3. Bleaching, Dyeing and Printing of cloth.
4. Weaving of Sari-borders, ribbons, gota etc.
5. Hand Weaving of newar, tape, durries & carpets.
6. Embroidery and needle work in salma.
7. Manufacture of sports goods.
8. Manufacture of glass beads.
9. English shorthand and type-writing.
10. Hindi shorthand and type-writing.
11. Cutting and Tailoring.
12. Preservation of fruits and vegetables including canning, making of jams etc.]